Title: Need to provide Extension Centres of LPG agencies in rural areas.

श्री महेश्वर सिंह (मंडी) : सभापति महोदय, इसमें कोई दो राय नहीं है कि सरकार इस बात के लिए हर संभव प्रयास कर रही है कि ग्रामीण क्षेत्रों एवं दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों में भी खाना पकाने की गैस सरलता से उपलब्ध कराई जाए। इस हेतु जगह-जगह नई-नई एजेंसिया भी खोली जा रही है ताकि ईंधन के लिए वनों पर बढ़ता बोझ कम किया जा सके और देश की बहुमूल्य वन सम्पदा की रक्षा की जा सके। ग्रामीण क्षेत्रों में जब तक हर जगह गैस एजेंसियां नहीं खोली जाती हैं तब तक यह संभव नहीं है। वर्तमान में जितनी भी गैस एजेंसियां कार्य कर रही हैं वे दूरदराज के गांवों में सेवाएं नहीं दे रही हैं। इसलिए वहां प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की अनुशंसा पर विस्तार पटल की सुविधा प्रदान करना नितान्त आवश्यक है क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों के लोग जब गैस एजेंसी में जाकर गैस सिलेंडर लेते हैं, तो उसे गांव तक ले जाना एक जटिल समस्या है। बस वाले इन सिलेंडरों को ले जाने से इसलिए इनकार करते हैं कि यह गैस अत्यंत प्रज्वलनशील एवं विस्फोटक होती है। दूसरी प्रमुख समस्या यह है कि अब एल.पी.जी. महंगी हो गई है और ग्रामीण क्षेत्रों को तो छोड़ दीजिए कभी-कभी शहरी क्षेत्रों में भी सिलेंडरों में पूरी गैस नहीं होती है ओर गांव के भोले-भाले लोग इस कारण से अनेक बार धोखा खाते हैं और गैस एजेंसियों द्वारा निर्धारित वजन से कम गैस देकर ठगे जाते हैं। इसलिए मेरी मांग है कि सभी गैस एजेंसियों को इस प्रकार के निर्देश दिए जाएं कि एजेंसियों के जो वाहन गैस सिलेंडरों की आपूर्ति हेतु घर-घर जाते हैं उनमें गैस सिलेंडरों को तोलने हेतु तराजू की व्यवस्था की जाए ताकि गैस सिलेंडर लेते समय उपभोक्ता उसे तोलकर अपनी संतुष्टि कर ले। गैस की कमी की अनेक शिकायतें दिल्ली में भी कम नहीं हैं और दिल्ली में ऐसी गैस एजेंसियां गिनी-चुनी ही होंगी जहां गैसे सिलेंडरों में पूरी गैस सप्लाई की जाती हो। इसलिए न केवल ग्रामीण एवं दूरदराज के क्षेत्रों बल्कि सम्पूर्ण देश में कार्यरत एल.पी.जी. एजेंसियों में तराजू रखने की व्यवस्था अनिवार्य रूप से की जाए।